



## नाबार्ड की जलवायु रणनीति 2030

### प्रलिस के लयः

[राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक](#), [हरति वतितपोषण](#), [ग्रीनवॉशगि](#), [सौर ऊर्जा संचालति सचिाई](#), [जलवायु-समार्ट कृषि](#)

### मेन्स के लयः

नाबार्ड की जलवायु रणनीति, हरति वतितपोषण से संबंघति चुनौतयिाँ

[स्रोतः नाबार्ड](#)

### चर्चा में क्योँ?

हाल ही में [राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक \(NABARD\)](#) ने अपने **जलवायु रणनीति 2030** दस्तावेज़ का अनावरण कयिा, जसिका उद्देश्य भारत की [हरति वतितपोषण](#) की आवश्यकता को संबोधति करना है।

### नाबार्ड की जलवायु रणनीति क्या है?

- **परचयः** नाबार्ड की जलवायु रणनीति 2030 चार प्रमुख स्तंभों के आसपास संरचित है:
  - **हरति ऋण में तेज़ी लाना:** वभिनिन क्षेत्रों में हरति वतितपोषण बढ़ाने पर ध्यान केंद्रति करना।
  - **बाज़ार-नरिमाण की भूमकिा:** हरति वतित के लयि अनुकूल बाज़ार वातावरण बनाने में व्यापक भूमकिा नभिना।
  - **आंतरकि हरति परविरतन:** नाबार्ड के संचालन के भीतर स्थायी प्रथाओं को लागू करना।
  - **रणनीतिक संसाधन संघटन:** हरति पहलों का समर्थन करने के लयि प्रभावी ढंग से संसाधनों का संघटन करना।
- **उद्देश्यः** यह रणनीति **स्थायी पहल** के लयि आवश्यक नविश और हरति वतित के वर्तमान प्रवाह के बीच वतित्तीय अंतर से नपिटने के लयि ढज़ाइन की गई है।
  - भारत को वर्ष **2030 तक सालाना लगभग 170 बलियिन अमेरकिी डॉलर** की आवश्यकता है, जसिका कुल संचयी लक्ष्य 2.5 ट्रिलियन अमेरकिी डॉलर से अधिक है।
  - हालाँकि, वर्तमान हरति वतित प्रवाह अपर्याप्त है, वर्ष **2019-20 तक केवल लगभग 49 बलियिन अमेरकिी डॉलर ही जुटाए गए थे**।
  - इसके अतरकि, भारत में अधकिांश वतित शमन प्रयासों के लयि नरिधारति कयिा गया है, **अनुकूलन और लचीलेपन के लयि केवल 5 बलियिन अमेरकिी डॉलर आवंटति कयि गए हैं**।
    - यह बैंक योग्यता और वाणज्यिक व्यवहार्यता में चुनौतयिों के कारण इन क्षेत्रों में न्यूनतम नज़ी क्षेत्र की भागीदारी को दर्शाता है।

### नोटः

- नाबार्ड भारत में ग्रामीण क्षेत्र के वतित पर ध्यान केंद्रति करने वाला शीर्ष विकास बैंक है।
- वर्ष **1982** में **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधनियम** के तहत स्थापति, यह संसद द्वारा अनविर्य कृषि, लघु उद्योगों, कुटीर उद्योगों एवं ग्रामीण परयोजनाओं के लयि वतित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- इसका मुख्यालय मुंबई में है।

### हरति वतितपोषण क्या है?

- **परचियः** हरति वतितपोषण से तात्पर्य सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव वाले नविशों का समर्थन करने के लिये वित्तीय संसाधनों के संचटन से है।
  - ये नविश **नवीकरणीय ऊर्जा** परियोजनाओं एवं **ऊर्जा दक्षता** पहल से लेकर स्थायी बुनियादी ढाँचे के विकास और **जलवायु-स्मार्ट कृषि** तक हो सकते हैं।
- **महत्त्वः** पारंपरिक वित्तीय प्रणाली अक्सर दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता पर अल्पकालिक लाभ को प्राथमिकता देती है। हरति वतितपोषण का लक्ष्य इस अंतर को समाप्त करना है:
  - **नमिन-कार्बन अर्थव्यवस्था** में परिवर्तन को सुवर्धन बनाना: नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के लिये वित्त में वृद्धि करके और साथ ही हरति वतितपोषण, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में सहायता करता है।
  - **जलवायु अनुकूलन और लचीलेपन को बढ़ावा देना**: बाढ़ सुरक्षा और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों जैसे हरति बुनियादी ढाँचे में नविश समुदायों को बदलती जलवायु के अनुकूल होने तथा प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने में सहायता कर सकता है।
  - **नए आर्थिक अवसरों को ढूँढना**: हरति अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और स्थायी प्रथाओं के लिये नए बाज़ार बनाता है, नवाचार व रोज़गार सृजन को प्रोत्साहित करता है।
- **हरति वतितपोषण से संबंधित चुनौतियाँ:**
  - **उच्च प्रारंभिक लागत**: दीर्घकालिक लागत बचत और पर्यावरणीय लाभों के बावजूद, नविशक हरति परियोजनाओं में भाग लेने से हतोत्साहित हो सकते हैं क्योंकि उन्हें आमतौर पर पारंपरिक परियोजनाओं की तुलना में **बड़े प्रारंभिक नविश** की आवश्यकता होती है।
  - **असंगत समयसीमा**: हरति पहल में अक्सर **भुगतान की लंबी अवधि** होती है और यह नविशकों और वित्तीय संस्थानों के अल्पकालिक नविश क्षमता या वित्तीय लक्ष्यों में समायोजित नहीं हो पाती है।
  - **मानकीकरण और ग्रीनवॉशिंग का अभाव**: हरति नविश के लिये विश्व स्तर पर स्वीकृत मानकों की अनुपस्थिति उनके पर्यावरणीय प्रभाव एवं वित्तीय प्रदर्शन के मूल्यांकन में अस्पष्टता और असंगतता का कारण बनती है।
    - इसके अलावा इसमें, स्पष्ट और मानकीकृत मानदंडों के बिना, **ग्रीनवॉशिंग** का जोखिम है, जहाँ **नविश** को पर्याप्त स्थिरता लाभ प्रदान किये बिना **पर्यावरण के अनुकूल** के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

## हरति वतितपोषण में कैसे सुधार किया जा सकता है?

- हरति परियोजनाओं के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)-संचालित जोखिम मूल्यांकन: AI एल्गोरिदम वकिसति करना जो अधिक सटीकता और दक्षता के साथ हरति परियोजनाओं से जुड़े पर्यावरणीय एवं वित्तीय जोखिमों का आकलन कर सकता है।
  - यह पारंपरिक वित्तीय संस्थानों को हरति वतितपोषण में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है।
- उपग्रह डेटा-संचालित सतत नविश नरिणय: उपग्रह इमेजरी और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके टिकाऊ कृषि या वनों की कटाई जैसे क्षेत्रों में संभावित नविश के पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन कर नविशकों को डेटा-संचालित अंतरदृष्टि प्रदान करके।
- सरकारी गारंटी के साथ हरति अवसर रचना बॉण्ड: नज्जी नविशकों के लिये जोखिम को कम करने और बड़े पैमाने पर टिकाऊ बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये **आंशिक सरकारी गारंटी** के साथ हरति बुनियादी ढाँचा बॉण्ड तैयार करना।
- ज़मीनी स्तर पर हरति पहलों के लिये सूक्ष्म अनुदान: **वर्षा जल संचयन, सौर-संचालित सिंचाई**, अथवा **सामुदायिक रूप से खाद** तैयार करने जैसी पहल जैसी लघु-स्तरीय हरति परियोजनाओं को वकिसति और लागू करने में स्थानीय समुदायों का समर्थन करने हेतु सूक्ष्म-अनुदान कार्यक्रमों की स्थापना करना।
- वित्तीय उत्पादों के लिये हरति प्रभाव स्कोर: एक ऐसी प्रणाली स्थापित करना जहाँ वित्तीय वस्तुओं का मूल्यांकन उनके पर्यावरणीय प्रभाव, या "हरति प्रभाव स्कोर" के अनुसार किया जाता है। यह ग्राहकों को हरति विकल्पों को प्राथमिकता देने और सूचित नरिणय लेने में सक्षम बनाता है।

### दृष्टिभेनस प्रश्नः

हरति अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को सरल बनाने के लिये हम सतत विकास के ढाँचे के भीतर हरति वतितपोषण को कनि रचनात्मक तरीकों द्वारा बढ़ावा दे सकते हैं?

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**[?/?/?/?/?/?]:**

**प्रश्न.** नवंबर 2021 में ग्लासगो में विश्व के नेताओं के शिखर सम्मेलन में COP26 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में आरंभ की गई हरति ग्रीडि पहल का प्रयोजन स्पष्ट कीजिये। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) में यह वचिर पहली बार कब दिया गया था? (2021)

